बोनस

जीवन बीमा है निवेश का एक विश्वसनीय व बेहतर विकल्प

रुषभ गांधी, डायरेक्टर
सेल्स व मार्केटिंग, इंडिया फर्स्ट लाईफ

भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्वास के साथ आगे बढ़ रही है। मजबूत आर्थिक विकास दर सकारात्मकता की बानगी है। इसमें खर्च करने की बेहतर क्षमता और बचत व निवेश में अधिक लचीलापन भी शामिल है। खर्च करने के निर्णय अमूमन आवेग में लिए जाते हैं। इसके उलट बचत व निवेश के निर्णय के लिए अधिक विचार करना पड़ता है। यहां कुछ अहम बिंदुओं के जरिये जीवन बीमा उत्पाद में निवेश करने को लेकर चर्चा की गई है।

महत्वपूर्ण है असेट आवंटन

यह एक गतिशील प्रक्रिया है। आपके पोर्टफोलियो के असेट मिश्रण में उत्तम लयबद्धता होनी चाहिए। यह इस तरह की हो जिसमें आपकी जरूरतें व प्राथमिकताएं श्रेष्ठ रूप से प्रतिबिंबित हों। पोर्टफोलियो में लंबी अवधि का बचत उत्पाद होना ही चाहिए। भारत में उपलब्ध जीवन बीमा तार्किक रूप से दीर्घावधि (10 वर्ष व उससे अधिक) निवेश में श्रेष्ठतम हैं। इस वजह से ज्यादातर वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि आपके निवेश का 10-20 फीसद निवेश दीर्घावधि की जीवन बीमा पॉलिसियों में होना ही चाहिए।

हर हाल में पूरी हों जरूरतें

जब किसी की असमय मृत्यु हो जाती है, तब बच्चों की शिक्षा, उनके विवाह, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की देखभाल इत्यादि की जिम्मेदारी अधूरी रह जाती है। किसी को खोने के कारण हुई हानि को दुनिया में कोई भी पूरी नहीं कर सकता है। लेकिन, जीवन बीमा मुश्किल हालातों खासकर वित्तीय कठिनाइयों को कम कर सकता है। अगर आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये है और वर्तमान ब्याज दर यदि सात फीसद है, तो व्यावहारिक अनुभव है कि आपका जीवन बीमा 1.43 करोड़ रुपये का होना चाहिए।

पैतृक संपत्ति का नियोजन

किसी जीवन बीमा पॉलिसी के लाभों में जिस बात पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है वह है पैतृक संपत्ति का नियोजन। यह एकमात्र साधन है जो बिना किसी रुकावट और अस्पष्टता के एक पीढ़ी से दूसरी में संपत्ति के हस्तांतरण में मददगार होता है। जीवन बीमा पॉलिसी का नामित व्यक्ति पूर्व निर्धारित अनुपात के अनुसार पॉलिसी की रकम प्राप्त करता है। उसमें पैतृक संपत्ति प्रभावी ढंग से व उत्कृष्टता के साथ अंतरित हो जाती है। संक्षेप में किसी को जीवन बीमा पॉलिसी से प्रेम हो सकता है और किसी को उससे नफरत भी हो सकती है, लेकिन यह निश्चित है कि उसे कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है।